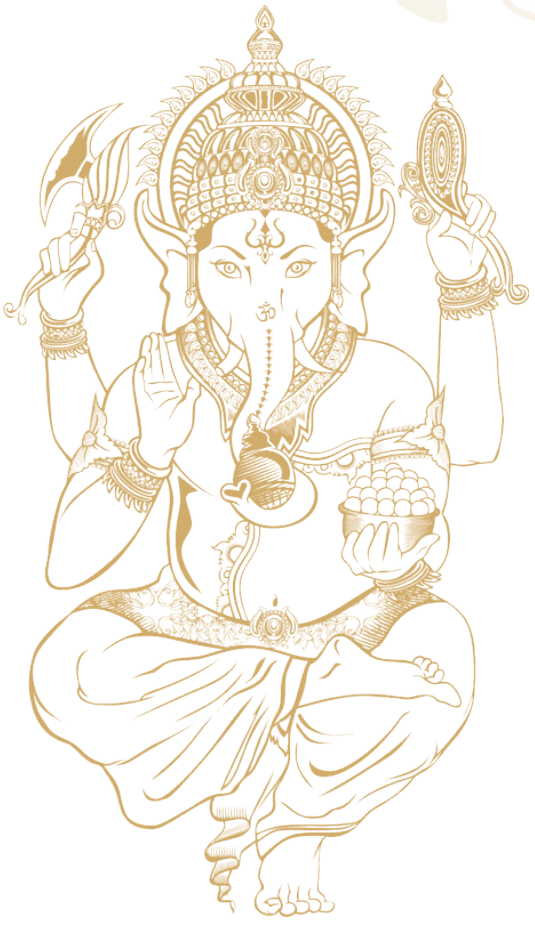

Sameer juneja

Namita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121915503

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/06/1993	जन्म तिथि	14-15/03/1993
शनिवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 09:35:00	जन्म समय	02:32:00 घंटे
घटी 09:52:26	जन्म समय(घटी)	50:13:59 घटी
India	देश	India
Pulgaon	स्थान	Dewas
20:40:00 उत्तर	अक्षांश	22:59:00 उत्तर
78:22:00 पूर्व	रेखांश	76:03:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:32	स्थानिक संस्कार	-00:25:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:38:01	सूर्योदय	06:36:05
19:00:26	सूर्यास्त	18:34:21
23:46:14	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:01

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 4वर्ष 3मा 11दि	02:46:43	सिंह	लग्न	धनु	18:53:07	बुध 3वर्ष 10मा 23दि
राहु	10:48:18	मिथु	सूर्य	मीन	00:31:34	सूर्य
07/10/2014	00:29:01	कन्या	चंद्र	वृश्चि	26:56:36	06/02/2024
07/10/2032	07:52:32	सिंह	मंगल	मिथु	19:00:37	05/02/2030
राहु 19/06/2017	03:20:16	कर्क	बुध व	कुंभ	19:31:51	सूर्य 25/05/2024
गुरु 13/11/2019	11:54:31	कन्या	गुरु व	कन्या	17:59:18	चन्द्र 24/11/2024
शनि 19/09/2022	25:47:33	मेष	शुक्र व	मीन	26:00:27	मंगल 01/04/2025
बुध 07/04/2025	06:21:01	कुंभ व	शनि	कुंभ	01:03:11	राहु 24/02/2026
केतु 26/04/2026	18:13:29	वृश्चि व	राहु	वृश्चि	22:19:44	गुरु 13/12/2026
शुक्र 26/04/2029	18:13:29	वृष व	केतु	वृष	22:19:44	शनि 25/11/2027
सूर्य 20/03/2030	27:05:10	धनु व	हर्ष	धनु	27:40:25	बुध 30/09/2028
चन्द्र 19/09/2031	26:25:11	धनु व	नेप	धनु	26:58:12	केतु 05/02/2029
मंगल 07/10/2032	29:19:26	तुला व	प्लूटो व	वृश्चि	01:40:47	शुक्र 05/02/2030

लग्न-चलित

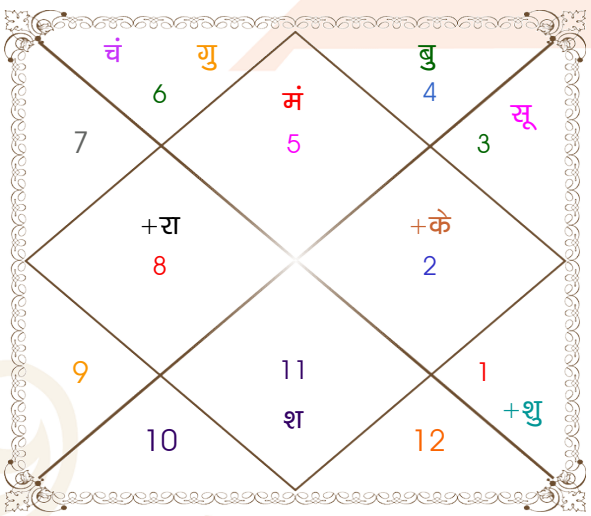

लग्न-चलित

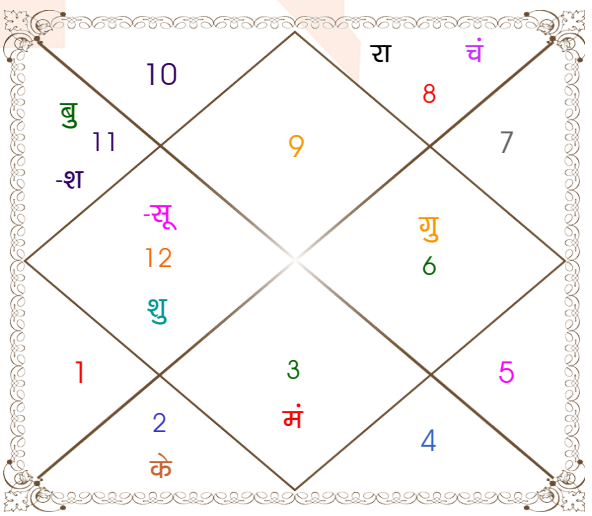

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

ँउममत रनदमरं का वर्ग श्वान है तथा छंउपजं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारँउममत रनदमरं और छंउपजं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ँउममत रनदमरं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

छंउपजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि छंउपजं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनिं उममत रनदमरं कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ं उममत रनदमरं तथा छंउपजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।